स्कूटर्स इंडिया लिमिटेड को हुआ लाभ और घाटा

205. श्री विश्वासराव रामराव पाटिल : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान स्कूटस इंडिया लिमिटेड को हुए लाभ/घाटे का वर्ष वार ब्यौरा क्या है; और

(ख) स्कूटर्स इंडिया लिमिटेड में इस समय कितने महाप्रबंधक कार्यरत हैं?

उद्योग मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग और लोक उद्यम विभाग) में राज्य मंत्री (श्री पी० के० थुंगन) : (क) स्कूटर्स इंडिया लिमिटेड को पिछले तीन वर्षों में हुआ घाटा निम्न प्रकार है :—

(लाख रुपयों में)

वर्ष	रोकड़ घाटा	निवल घाटा
1989–90	1837	4289
1990–91	1764	4825
1991–92 (अनंतिम)	1515	5280

(ख) स्कूटर्स इंडिया लिमिटेड में इस समय केवल एक महाप्रबन्धक कार्यरत है।

मारुति उद्योग लिमिटेड के भूतपूर्व अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक के विरुद्ध शिकायतें

206. श्री सत्य प्रकाश मालवीय : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मारुति उद्योग लिमिटेड के भूतपूर्व अध्यक्ष-व-प्रबंधक निदेशक विरुद्ध प्राप्त हुई शिकायतों का ब्यौरा क्या है ;

(ख) सरकार इन पर क्या कार्यवाही कर रही है ;

(ग) क्या इनकी जांच केन्द्रीय जांच ब्यूरो द्वारा की जा रही है; और

(घ) यदि हां, तो वह किस चरण में है ?

उद्योग मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग और लोक उद्यम विभाग) में राज्य मंत्री (श्री पी० के० थुंगन) : (क) से (घ) अनुमानतः यह प्रश्न मारुति उद्योग लि० के वर्तमान अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक के सम्बंध में है। उनके विरुद्ध कुछ आरोप प्राप्त हुए हैं जिन्हें विवरण में दर्शाया गया है। [नीचे देखिये]

केन्द्रीय जांच ब्यूरो ने विवरण में (1) और (2) में वर्णित दो विशिष्ट आरोपों की जांच की है।

इन मामलों में सरकार द्वारा विचार किया जा रहा है।

विवरण

(1) कांडला पत्तन से गुड़गांव तक एस०के०डी० तथा सी०के०डी० उपकरणों के परिवहन के लिए संविदा देने में अनियमितता।

(2) वातानुकूलनों की खरीद के लिए संविदा देने में अनियमितता।

(3) किराए पर कार योजना के लिए ठेका देना।

(4) भौडसी में उच्च मूल्य पर भूमि की खरीद।

(5) गाजियाबाद में डीलरशिप के आबंटन में अनियमितता।

(6) कार किटों का आयात और उनका स्क्रैप के रूप में निपटान।

(7) जानबूझकर उन उपकरणों का आयात करना जिनकी आवश्यकता नहीं थी, जिसके कारण कंपनी को हानि तथा राष्ट्र को विदेशी मुद्रा का नुकसान हुआ।

(8) अमरीका के सिटी बैंक के सहयोग से भ्रष्टाचार।

(9) हैदराबाद में डीलर द्वारा मारुति के पक्ष में एकत्रित निधियों का दुर्विनियोजन।

(10) गुमशुदा वाहनों के आरोप।